PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Amar Ujala, Delhi
Fri, 19 May 2017, Page 17
Width: 28.43 cms, Height: 19.57 cms, a3r, Ref: 26.2017-05-19.129

हर योजना में होगी महिलाओं की हिस्सेदारी

हाशिये पर जी रही महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में लाना चाहते हैं : मेनका

विशेष बातचीत

*मोदी सरकार एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाने की दिशा में काम कर रही है, जिसमें महिलाओं की हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस नीति की देश को आखिर क्यों जरूरत है। इस पर महिला एवं बाल कल्याण विकास मंत्री **मेनका गांधी** से **धीरज कनोजिया** ने बातचीत की।*

मोदी सरकार ने महिलाओं के लिए नई राष्ट्रीय नीति लाने का वादा किया है। मंत्रालय इस पर क्या करने वाला है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को नया भारत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं और हमारा मंत्रालय नए भारत में महिलाओं के लिए नई राष्ट्रीय नीति तैयार कर रहा है। हम महिलाओं की बेहतरी के लिए हर स्तर में बड़ा बदलाव करने जा रहे हैं। हमारा उद्देश्य महिलाओं को सिर्फ कल्याणकारी योजनाओं से फायदा दिलाना ही नहीं, बल्कि इसमें उनके अधिकार को शामिल कराना है।

इस नीति में महिलाओं के लिए क्या नया है?

राष्ट्रीय नीति के जरिये हम यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि अब केंद्र या राज्य की जो भी योजना बने तो उसमें महिलाओं की पूरी हिस्सेदारी हो। वृद्ध महिलाओं का स्वास्थ्य, महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए स्मार्ट सिटी, सिंगल महिला की विशेष जरूरतों के मुद्दों पर हमारा जोर है। हम साइबर स्पेस में भी महिलाओं की रक्षा को लेकर ठोस नीति तैयार करने जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर भी आपने लोगों से कुछ अलग हटकर विचार मांगे थे। क्या उन्हें इसमें शामिल किया है?

बिल्कुल, हम ऐसे आउट ऑफ बॉक्स विचारों को राष्ट्रीय नीति के मसौदे में शामिल करना चाहते हैं। हमारे पास बहुत विचार आए हैं। जैसे कि सिंगल महिलाओं को टैक्स से राहत, अपने बचाव के लिए महिलाओं को अनिवार्य रूप से सेल्फ डिफेंस, स्कूली लड़कियों के लिए सुगम परिवहन, सैनेटरी पैड पर उत्पाद कर में छूट जैसे तमाम बेहतर विचार हैं।

पिछली नीति से आगे बढ़कर इस बार अन्य पहलुओं को भी स्थान दिया है?

जी बिल्कुल, 2001 की नीति में खेल के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी की बात ही नहीं की गई थी। हम लड़कियों के लिए पुरुषों के बराबर हिस्सेदारी चाहते हैं।